आरती बटुकनाथ भैरव जी की

ॐ जय जय भैरव बाबा, स्वामी जय भैरव बाबा ।
नमो विश्व भूतेश भुजंगी, मुंजल कहलावा ।।
उमानन्द अमरेश, विमोचन जनपद सिरनावा ।
काशी के कुतवाल आपको, सकल जगत ध्यावा ।।
रवि के दिन जग भोग लगावे, मोदक तन भावा।।
ॐ जय जय भैरव बाबा, स्वामी जय भैरव बाबा ।
भीषण भीम कृपालु त्रिलोचन, खप्पर भर खावा ।
शेखर चन्द्र कपाल शशी, प्रभु मस्तक चमकावा ।।
ॐ जय जय भैरव बाबा, स्वामी जय भैरव बाबा ।
गल मुण्डल की माल सुशोभित, सुन्दर दरसावा ।
नमो नमो आनन्द कन्द प्रभु, लटकत मठ झावा ।।
ॐ जय जय भैरव बाबा, स्वामी जय भैरव बाबा ।
कर्ष तुण्ड शिव कपिल त्रयम्बक यश जग में छाया ।
जो जन तुमसे ध्यान लगावत संकट नहिं पाया ।।
ॐ जय जय भैरव बाबा, स्वामी जय भैरव बाबा ।

विवरण

जो पूरे विश्व की रक्षा करने वाले हैं एवं मुंजल कहलाते हैं ऐसे श्री भैरव बाबा की जय हो । ये माता गौरी के पुत्र हैं तथा सम्पूर्ण संसार के मोह-माया की जंजीरों से मुक्त करने वाले हैं, ऐसे भैरव बाबा को सम्पूर्ण जन सिर नवाकर प्रणाम करते हैं ।

काशी में जो वास करने वाले हैं वह आपका अपने हृदय से ध्यान करते हैं । जय हे भैरव बाबा ! आपको बारंबार प्रणाम है । आप बत्तक की सवारी पर आरूढ़ होकर अति प्रसन्नचित दिखाई देते हैं । रविवार के दिन सारा संसार आपकी पूजा करता है तथा भोग लगाता है । मेवे के लड्डू आपको बहुत पसन्द हैं । ऐसे भैरव बाबा की हम जय-जयकार

करते हैं ।

आपके तीन नेत्र अत्यन्त कृपा दिखाने वाले लगते हैं । आप खप्पर भर कर भोग लगाने वाले हो । आपके ललाट पर सूर्य एवं चन्द्रमा चमकते रहते हैं । ऐसे भैरव बाबा की जय हो । आप अपने गले में सर्पों की माला लपेटे रहते हो, जो बहुत ही सुन्दर एवं शोभा को बिखेरने वाला होता है ।

आनन्द का एहसास कराने वाले प्रभु आपके मुकुट पर मोतियों की लरी लटकती रहती है । ऐसे भैरव बाबा की हम जय-जयकार मनाते हैं । आप अत्यन्त ही सुन्दर मुख वाले हो एवं भगवान शिव के समान आपका यश चारों तरफ छाया हुआ है । जो भी आपका ध्यान से चिन्तन मनन करता है, उसके पास संकट कभी भी नहीं आता है, ऐसे भैरव बाबा की जय हो ।

---

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.